भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1407

दिनांक 12 दिसम्बर, 2023

अनुसंधान और विकास के माध्यम से कृषि को बढ़ावा देना

1407. श्री जुएल ओराम:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार कृषि उत्पादन में अनुसंधान और विकास पर अधिक बल दे रही है;
(ख) यदि हां, तो इस दिशा में राज्यों के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या राज्यों में कृषि को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त ज्ञान प्राप्त करने हेतु किसानों को शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री अर्जुन मुंडा)

(क) एवं (ख): जी, हाँ। सरकार द्वारा कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) एवं राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) के माध्यम से कृषि क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) को बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) का बजट वर्ष 2019-20 में रुपये 7846.17 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2023-24 में रुपये 9504 करोड़ हो गया है।

राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि क्षेत्र में मौजूदा बाधाओं का समाधान प्रदान करने के लिए कृषि अनुसंधान एवं विकास कार्य में निरंतर लगा हुआ है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा बीज हब परियोजनाओं, दलहन एवं तिलहन को प्रोत्साहन, पोषण बगीचे, जलवायु अनुकूल कृषि पहल एवं प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन करके कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जाते हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं (एआईसीआरपी) बहुस्थानिक परीक्षणों के माध्यम से प्रौद्योगिकियों का विकास/ परीक्षण/पहचान करने के लिए जिम्मेदार हैं जबकि कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थानों (अटारी) द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) के माध्यम से लागू की गईं भाकृअनुप प्रायोजित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण परियोजनाओं की योजना तैयार करने, निगरानी करने, समीक्षा करने और मूल्यांकन करने के क्षेत्र में कार्य किया जाता है।

(ग) सरकार द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में कृषि विज्ञान केन्द्र योजना लागू की गई है जिसके अधिदेशों में इसके उपयोग एवं क्षमता विकास के लिए प्रौद्योगिकी मूल्यांकन तथा प्रदर्शन करना शामिल है। अपनी गतिविधियों के अंतर्गत, कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर किसानों, कृषिरत महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्ष 2022-23 के दौरान प्रतिभागियों की जानकारी को अद्यतन बनाने एवं उनके कौशल को समुन्नत करने के लिए 19.53 लाख किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया और फसल उत्पादन, बागवानी, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता प्रबंधन, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, गृह विज्ञान/महिला सशक्तिकरण, कृषि अभियांत्रिकी, पादप सुरक्षा एवं मात्स्यिकी विषयों पर कुल 2,98,932 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किए गए।

******